राइज़िंग राजस्थान और बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारें अधिकारी : वैभव गालरिया

नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने गुरूवार को ''राइजिंग राजस्थान'' समिट के एमओयू से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

- 'निवेशकों से संवाद कर भूमि चिन्हिकरण और भू-आवंटन की प्रक्रिया पूरी करें'
- विकास प्राधिकरण और न्यास के स्वामित्व वाली जमीनों से हटाएं अतिक्रमण, सतत निगरानी भी रखें : प्रमुख शासन सचिव

जयपुर (कासं)। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने गुरूवार को वीडियो कॉफ्रेंस के जरिये ''राइजिंग राजस्थान'' समिट के तहत हुए एमओयू से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि ''राइजिंग राजस्थान'' के एमओयू को धरातल पर लाने के लिए सभी प्राधिकरण और न्यास अपने-अपने जिले के कलक्टर से समन्वय कर निवेशकों के साथ सम्पर्क स्थापित करें और भूमि के चिह्निकरण, भू-आवंटन आदि प्रकरणों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। गालरिया ने ऑनलाइन इन्वेस्टर इंटरफ़ेस पोर्टल के नियमित उपयोग के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पोर्टल का उपयोग नियमित रूप से किया जाये साथ ही पोर्टल पर निवेशकों द्वारा भेजी जाने वाली मीटिंग रिक्वेस्ट्स का जवाब भी तुरंत देकर ज़्यादा से ज़्यादा निवेशकों के साथ बैठक की जाए। इसके अलावा माइलस्टोन मॉनिटरिंग संबंधित सूचना भी तय समय सीमा में उपलब्ध करवाई जाये, जिससे कि कार्य प्रगति की समीक्षा व मूल्यांकन किया जा सके। बैठक में बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा भी की गई।

गालरिया ने कहा कि विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए कहा। साथ ही इसमें आ रही समस्याओं के बारे में भी अफसरों से चर्चा की। उन्होंने विधानसभा प्रश्नों के उत्तर, लम्बित लाइट्स प्रकरण, सम्पर्क पोर्टल के प्रकरण, रिक्त भूखण्ड एवं लैण्ड बैंक की समीक्षा सहित अन्य बिन्दुओं पर भी अधिकारियों से चर्चा की।

उन्होंने रिक्त भूखण्ड एवं लैण्ड बैंक की समीक्षा करते हुए कहा कि विक्रय योग्य भूमि को सूचिबद्ध किया जाए। प्राधिकरण एवं न्यास के स्वामित्व वाली भूमियों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए सतत रूप से इन भूमियों की निगरानी की जाए तथा अतिक्रमणों का चिह्निकरण कर उन्हें हटाने की तत्काल कार्रवाई की जाए।

बैठक में आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ,जेडीए उप शासन सचिव द्वितीय राकेश कुमार गुप्ता, उप शासन सचिव तृतीय राकेश कुमार, मुख्य अभियंता यूडीएच अशोक चौधरी तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जिला विकास प्राधिकरणों व जिला विकास न्यासों के अधिकारियों ने भी वीसी के जरिये बैठक में भाग लिया।

सी.एम. ने मंत्री-परिषद् के सदस्यों से सत्र की तैयारियों को लेकर की चर्चा

16वीं विधानसभा के आगामी सत्र को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर मंत्री-परिषद् के सदस्यों के साथ बैठक कर संवाद किया। बैठक में आगामी विधानसभा सत्र के दौरान सदन में प्रश्नों के प्रभावी जवाब प्रस्तुत करने, जनहित के मुद्दों पर राज्य सरकार की नीति-निर्णयों को मजबूती से रखने को लेकर चर्चा की गई। साथ ही, बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी पहलुओं के विषय पर भी फीडबैक लिया। उल्लेखनीय है कि 16वीं विधानसभा का तृतीय सत्र (31 जनवरी) से शुरू होगा, जिसके संबंध में मुख्यमंत्री ने मंत्री-परिषद् के सदस्यों के साथ संवाद किया।

धूमधाम से मनाया दिया कुमारी का जन्मदिन

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के जन्मदिन के अवसर पर किशन बाग बस्ती में भोजन वितरण किया गया।

जयपुर। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का जन्मदिन गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया।

उपमुख्यमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर विभिन्न संस्थाओं और संगठनों के माध्यम से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनमें दिया कुमारी को विद्याधर विधानसभा क्षेत्र, जयपुर और प्रदेश भर से हजारों की संख्या में आम जन और विशिष्ट जनों सहित विभिन्न संस्थाओं और संगठनों ने जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनायें दीं।

दिया कुमारी के जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित किए गए साथ ही किशन बाग बस्ती में में भोजन वितरण भी किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने जन्मदिन पर गुरुवार को मोतीडूंगरी गणेश जी और गोविन्द देवजी के दर्शन कर प्रदेश की समृद्धि एवं खुशहाली के लिए पूजा अर्चना की।

उन्होंने शहीद दिवस के मौके पर सचिवालय पहुंचकर राष्ट्रिपता महात्मा गाँधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर श्रृद्धांजलि दी। उपमुख्यमंत्री ने सर्वेश्वर मंदिर,बालाजी कॉलेज के सामने,बेनाड रोड़ से कुंभ यात्रा बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के चिन्हित आंगनबाड़ियों में निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं (महिला एवं बाल विकास विभाग) की ओर से 6 माह से 6 वर्ष के बच्चों तथा गर्भवती व धात्री माताओं में कुपोषण को दूर करने के लिए मिलेट्स चिक्की व पीनट्स मिलेट्स चिक्की न्यूट्री बार वितरण का शुभारम्भ किया। जिसमें कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व फण्ड की राशि से स्व-वित्त पोषित पायलेट आधार पर लाभार्थियों को 20 ग्राम मात्रा में मल्टी मिलेट न्यूट्रीबार प्रति लाभार्थी सप्ताह में तीन दिवस (सोमवार, बुधवार एवं गुरूवार) को उपलब्ध कराया जाएगा। इसी प्रकार प्रति लाभार्थी सप्ताह में तीन दिवस (मंगलवार, गुरूवार एवं शनिवार) को 30 ग्राम मात्रा में मिल्की मिलेट बार उपलब्ध कराया जाएगा।

सभी स्कूलों में सूर्य नमस्कार करवाने के आदेश का विरोध

जयपुर। राजस्थान मुस्लिम फ़ोरम द्वारा आज एक प्रेस कॉन्फ्रेन्स करके 3 फ़रवरी को राजस्थान के सभी स्कूलों में सूर्य नमस्कार करवाने के आदेश का विरोध किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेन्स को सम्बोधित करते हुए राजस्थान मुस्लिम फ़ोरम के महासचिव मोहम्मद नाज़िमुद्दीन ने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा भारत जैसे लोकतान्त्रिक देश में व्यायाम का बहाना बनाकर शैक्षिणक संस्थानों में विशेष संस्कृति की मान्यताओं और कर्म कांडों को सरकारी तन्त्र द्वारा अन्य धर्म के लोगों पर थोपने की कोशिश की जा रही है जो कि धार्मिक स्वतन्त्रता का खुला उल्लंघन व घृणित प्रयास है।

उन्होंने इसका विरोध किया कि राजस्थान सरकार के माध्यमिक शिक्षा निदेशालय द्वारा समस्त माध्यमिक शिक्षा उपनिदेशकों तथा ज़िला शिक्षा अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि वह सूर्य सप्तमी के अवसर पर यह सुनिश्चित करें कि सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में प्रार्थना सभा के समय 20 मिनट निर्धारित करके सूर्य नमस्कार करवाया जाए। जमीअत उलमा-ए-हिन्द राजस्थान के उपाध्यक्ष हाफ़िज़ मन्ज़ूर अली ने कहा हिन्दु समाज में सूर्य को भगवान/देवता के रूप में पूजा जाता है जिसमें कई श्लोकों के उच्चारण के साथ प्रणामासन्न, अष्टांग नमस्कार आदि क्रियाओं को इबादत समझ कर किया जाता है।

मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि (शहीद दिवस) पर प्रातः शासन सचिवालय पहुंचे। शर्मा ने सचिवालय स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। शर्मा ने दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने प्रतिमा के समक्ष बैठकर गांधीजी के प्रिय भजन ''वैष्णव जन तो तेने कहिये, रघुपति राघव राजा राम, राम रतन धन पायो, श्री राम जय राम, तू ही है तो सहारा'' सुने।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा सहित अन्य मंत्री, मुख्य सचिव सुधांश पंत, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव, सचिवालय कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एवं अधिकारी-कर्मचारियों ने भी मौन रखकर बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की।

वहीं दूसरी ओर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शहीद दिवस के अवसर पर राष्ट्रिपता महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर देश के लिये बलिदान करने वाले शहीदों को याद किया। विधान अध्यक्ष ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को नमन किया।

इस अवसर पर विधान सभा में पूर्व विधायक नवरंग सिंह, प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा वरिष्ठ उप सचिव पुरुषोत्तम शर्मा, उप सचिव संजीव शर्मा, सुशील शर्मा सहित विधान सभा के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें।

महिला पार्षद ने किया पांच करोड़ रुपए का मानहानि का दावा

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम के वार्ड संख्या 127 की बीजेपी पार्षद ने अवैध निर्माण से जुडे विवादित वीडियो बनाए जाने के मामले में प्रतिवादी मोहन सेतिया व अन्य के खिलाफ पांच करोड़ रुपए का मानहानि का दावा किया है। एडीजे क्रम-8 महानगर प्रथम ने मामले में प्रारंभिक सुनवाई करते हुए प्रतिवादियों को पाबंद किया है कि वह विवादित वीडियो का प्रसारण नहीं करे। अदालत ने यह आदेश पार्षद जयश्री गर्ग के मानहानि दावे पर दिए।

वादी के अधिवक्ता पंकज खन्ना ने अदालत को बताया कि 16 जुलाई 2024 की रात मोहन सेतिया नाम के व्यक्ति ने उसके मोबाइल नंबर पर एक यूट्ययूब चैनल का वीडियो भेजा। इसमें बिना पूरी जानकारी के मकानों के वीडियो दिखाकर झूठे तथ्य पेश किए और इनमें से कुछ बिल्डिंग तो उनके वार्ड में ही नहीं थीं। इससे उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास किया गया। यह व्यक्ति पहले भी परिवादिया से पैसे की मांग कर चुका है। इसके बाद 17 जुलाई को मोहन सेतिया एक महिला के साथ उनके घर आया और इधर-उधर की ब्लैकमेलिंग की बातें कर परिवादिया को डराने-धमकाने लगे। उन्होंने वीडियो को वायरल करने और उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा व चरित्र को भी बदनाम करने की धमकी दी। मोहन ने उसे कहा कि वह 5 लाख रुपए दे तो वह वीडियो वायरल करने से रोक सकता है। जिस पर परिवादिया ने मोहन को जाने के लिए कहा। इस वीडियो में परिवादिया के फेसबुक अकाउंट से नाम व फोटो लेकर उन्हें बदनाम किया है और प्रतिवादी ने केवल ब्लैकमेलिंग व आर्थिक लाभ के लिए ही यह वीडियो बनाया है। ऐसे में परिवादी को मानसिक प्रताडना झेलनी पडी और उसका समाज में अपमान हुआ। ऐसे में उसे मानहानि के तौर पर पांच करोड रुपए का मुआवजा दिलाया जाए।

ई-रिक्शे में महिलाओं के बैग में चोरी करने वाली गैंग गिरफ्तार

जयपुर । सिंधी कैम्प थाना पुलिस ने ई-रिक्शा में सवार महिला के बैग से जेवरात और नगदी चोरी करने वाली तीन गुजराती महिलाओं सहित ई-रिक्शा चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों से पूछताछ कर चोरी का माल बरामदगी के प्रयास करने में जुटी है।

गिरफ्तार आरोपी महिला कोमल (25), नंदनी (30), ज्योति (30) मूलतः झोपड पट्टी साबरमती टूटी पुलिया के नीचे, अहमदाबाद गुजरात हाल किराएदार खो-नागोरियान तथा ई-रिक्शा चालक सुशील कुमार (35) मूलतः पारीकों का मोहल्ला सीरसी हाल किराएदार शिवाजी नगर भट्टा बस्ती के रहने वाले है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पीडिता सुधा कंवर ने 26 जनवरी को रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पीडिता ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वह ट्रेन से अपने बच्चों के साथ भीलवाडा ससुराल से जयपुर आई थी। जयपुर जंक्शन से वह आरोपी के ई-रिक्शे में चौडा रास्ता जाने के सवार हुई थी। इस दौरान रास्ते में तीनों महिलाओं को भी ई-रिक्शे वाले ने मेरे मना करने के बावजूद बैठा लिया। तीनों महिलाएं सिंधी कैम्प थाली रेस्टोरेंट के पास ई-रिक्शे से उतर कर तेजी से चली गई। शक होने के पर सामान संभाला तो उसके पर्स से सोने-चांदी के जेवरात और 10 हजार की नगदी नहीं मिली। इसके बाद पीडिता ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए एक स्पेशल टीम का गठन कर ई-रिक्शा चालक को उसकी तीनों गुजराती महिला साथियों सहित गिरफ्तार कर लिया।

आदिवासी राज्यों से आये युवा संविधान पार्क सहित जयपुर फुट देख अचंभित हुए

छत्तीसगढ़, झारखंड एवं उड़ीसा से आए आदिवासी युवाओं ने भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति का अवलोकन किया। युवा यहां जयपुर फुट पहनकर दौड़ते विकलांगों को देखकर आश्चर्यचकित हो गए। युवाओं ने अपने क्षेत्रों में विकलांग सेवा शिविरों की जरूरत बताई और संस्था के संस्थापक पद्म भूषण डी आर मेहता के साथ संवाद किया।

जयपुर। भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र संगठन की और से गृह मंत्रालय के सौजन्य से यहाँ आयोजित 16 वें आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम के अन्तर्गत पांचवें और छठे दिन तीन राज्यों के आदिवासी युवाओं ने महावीर विकलांग सहायता समिति, संविधान पार्क और शहीद दिवस सहित अनेक कार्यक्रमों में भाग लिया।

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति छत्तीसगढ़ , झारखंड एवं उड़ीसा से आए आदिवासी युवाओं ने भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति का अवलोकन किया। युवा यहां जयपुर फुट पहनकर दौड़ते विकलांगों को देखकर आश्चर्यचकित हो गए। युवाओं ने अपने क्षेत्रों में विकलांग सेवा शिविरों की जरूरत बताई और संस्था के संस्थापक पद्म भूषण डी आर मेहता के साथ संवाद किया। मेहता ने युवाओं को बताया कि पोलियो और पुरानी बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों को निशुल्क उपकरणों और चिकित्सा सुविधाएं आदि संस्था द्वारा गत पचास वर्षों से निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होने बताया कि समिति ने अब तक 800 जिलों में 23 लाख लोगों को लाभान्वित किया है और दुनिया के 44 देशों में विकलांगों को मदद की है। उपकरण पूरी तरह से निशुल्क दिए गए हैं। इसके अलावा, समिति ने 6 महीने पहले सुकमा में एक शिविर आयोजित किया था, जिसमें स्थानीय लोगों को आवश्यक सेवाएं प्रदान की गई थीं। अब समिति छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों जैसे दांतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर और छितरा में 5 और शिविर आयोजित करने जा रही है, ताकि वहां के लोग भी इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें। मेहता ने उन पांच युवाओं से बातचीत की जिनके पिता, चाचा, भाई को नक्सलियों ने मार दिया। उन्होंने आजीविका के लिए मदद करने का आश्वासन दिया संविधान पार्क का अवलोकन आदिवासी युवाओं ने राजभवन स्थित संविधान पार्क का भी अवलोकन किया। जहां उन्होंने संविधान की प्रस्तावना, मूल अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में जाना। युवाओं ने पार्क में स्थापित विभिन्न कलाकृतियों और शिलालेखों के माध्यम से भारतीय संविधान के निर्माण और उसके महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की।

विवेकानंद विश्वविधालय में आयोजित शहीद दिवस पर आदिवासी युवाओं और विद्यार्थियों ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भाग लिया और गांधी के प्रिय भजनों की प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गांधीवादी विचारक सवाई सिंह ने युवाओं को गांधी जी के विचारों और आदर्शों के बारे में बताया। उन्होंने अपने वक्तव्य में गांधी जी के सादगी, अहिंसा, और सत्याग्रह के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ भुवनेश जैन , क्षेत्रीय निदेशक , नेहरू युवा केंद्र संगठन, पश्चिमी क्षेत्र , भारत सरकार ने की। उन्होंने गांधी जी के जीवन और दर्शन पर विचार व्यक्त किए। रामकेश मीणा, निरीक्षक, आर ए एफ ने भी अपने विचार रखे। विभिन्न कार्यक्रमों में क्षेत्रीय निदेशक डॉ भुवनेश जैन, राज्य निदेशक कृष्णलाल, जिला युवा अधिकारी कुमार मधुकर, मधु यादव और प्रदीप मीणा आदि उपस्थित थे।

संयुक्त निदेशक को तत्काल पदस्थापित करने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 31 जनवरी को रिटायर हो रहे चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक को बिना देरी के तत्काल पदस्थापित करने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण के बावजूद भी याचिकाकर्ता को पदस्थापित नहीं करने पर प्रमुख कार्मिक सचिव और चिकित्सा निदेशक सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश जुल्फीकार अहमद काजी की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता चिकित्सा विभाग, उदयपुर में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत था।

हाऊसिंग बोर्ड ने सहायक लेखाधिकारी नवीन और शेरसिंह को किया निलंबित

बताया जा रहा है कि प्रताप नगर स्थित आवासन मंडल के खंड पंचम कार्यालय को रात 10-11 बजे खोलने के मामले में दोनों अफसरों को सस्पैंड किया गया है, विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है

राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड के प्रताप नगर स्थित खंड पंचम कार्यालय में मंगलवार देर रात पहुंचे दोनों सहायक लेखाधिकारी और पार्किंग में खड़ी गाड़ियों की तस्वीर।

- इसके अलावा 1 लाख रु. रिश्वत लेते ट्रैप हुए कनिष्ठ विधि अधिकारी प्रशांत गुप्ता को भी निलंबित कर दिया गया है।

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड ने भ्रष्टाचार के आरोपी कनिष्ठ विधि अधिकारी प्रशांत गुप्ता के साथ-साथ दो सहायक लेखाधिकारी नवीन शर्मा और शेर सिंह को निलंबित किया है। बताया जा रहा है कि इन दोनों सहायक लेखाधिकारियों ने मंगलवार देर रात करीब 10-11 बजे प्रताप नगर स्थित आवासन मंडल के खंड पंचम कार्यालय को खुलवाया था। इस प्रकरण की जांच मुख्य अभियंता प्रथम अमित अग्रवाल को दी गई है, साथ ही कार्यालय समयावधि के पश्चात सक्षम स्वीकृति के बिना ऑफिस नहीं खोले जाने के आदेश भी विभाग ने दिए हैं।

सूत्रों का कहना है कि इन दोनों अफसरों के साथ प्राइवेट व्यक्ति भी ऑफिस में दाखिल हुए थे, इनमें हाऊसिंग बोर्ड में सिक्यूरिटी एजेंसी संभालने वाले बजरंग व अन्य लोग बताये जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने देर रात हाऊसिंग बोर्ड का कार्यालय खुला देखकर मोबाइल में फोटो-वीडियो उतार लिए।

इसके बाद गुरूवार को सोशल मीडिया पर यह फोटो-वीडियो वायरल हुए और उच्चाधिकारियों को इसकी भनक लगी।

इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया और हाऊसिंग बोर्ड कमिश्नर डॉ. रश्मि शर्मा ने उप आवासन आयुक्त भगवान सहाय से एवं अन्य अधिकारियों से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी। इसके बाद अफसरों ने पूरे मामले की जानकारी जुटाकर प्रकरण की वस्तुस्थिति से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया।

इसके बाद देर शाम हाऊसिंग बोर्ड कमिश्नर डॉ. रश्मि शर्मा ने दोनों सहायक लेखाधिकारियों पर एक्शन लेते हुए दोनों को निलंबित कर दिया और विभागीय जांच के आदेश जारी कर दिए। इन दोनों कार्मिकों को सस्पैंड करते हुए निलंबन काल के दौरान अपनी उपस्थिति उप आवासन आयुक्त वृत तृतीय के समक्ष देने को कहा गया है।

सूत्रों का कहना है कि बुधवार देर रात आवासन मंडल के खंड पंचम कार्यालय को खोले जाने के पीछे क्या मकसद था, इस बारे में अभी तक कुछ सामने नहीं आ पाया है। बताया जा रहा है कि प्राइवेट व्यक्ति बजरंग, जो कि हाऊसिंग बोर्ड में सिक्यूरिटी गार्ड उपलब्ध करवाने का काम करता है, वह भी साथ में था, हालांकि हाऊसिंग बोर्ड प्रशासन इस पूरे मामले पर चुप्पी साधे हुए है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर, प्राइवेट गार्ड की एजेंसी रखने वाला व्यक्ति और दोनों लेखाधिकारी रात के अंधेरे में क्या काम कर रहे थे।

इसके अलावा आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने भ्रष्टाचार के आरोपी कनिष्ठ विधि अधिकारी प्रशांत गुप्ता के निलंबन के आदेश भी जारी कर दिए हैं। आरोपी प्रशांत को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की भरतपुर चौकी टीम ने बुधवार को एक लाख रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। आरोपी प्रशांत, इंदिरा गांधी नगर स्कीम में परिवादी के पिता की मृत्यु के पश्चात आवास का स्थानांतरण करने और इसका मांग पत्र जारी करने की एवज में 2.5 लाख रु. मांग रहा था। ए.सी.बी. इस मामले में उप सचिव अनिल पालीवाल की संदिग्ध भूमिका मानते हुए भी जांच कर रही है।